छत्तीसगढ़

सहकारी समाचार

वर्ष- 22 अंक - 07 जुलाई 2025 प्रथम अंक (पाक्षिक) RNI NO. CHHHIN/2012/45105 पृष्ठ-12 मूल्य 500/- वार्षिक

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक : केदार कश्यप

अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में शामिल हुए सहकारिता मंत्री केदार कश्यप

■ गौपालक किसानों, मत्स्य सहकारी किसानों को रुपे केसीसी कार्ड और डेयरी सोसायटियों को माइक्रो एटीएम बांटा

रायपुर। सहकारिता एवं जल संसाधन मंत्री श्री केदार कश्यप 5 जुलाई को नवा रायपुर, अटल नगर में स्थित छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) परिसर में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। उन्होंने इस दौरान गौपालक और मत्स्य पालक किसानों को रुपे केसीसी कार्ड और दुग्ध सहकारी समितियो को माइक्रो एटीएम वितरण किया।

मंत्री श्री कश्यप ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि, "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है, और माँ के प्रति हमारी श्रद्धा। उन्होंने कहा कि, यह अभियान प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक अनूठा तरीका भी है। माँ और प्रकृति दोनों ही जीवनदायिनी हैं, पोषण करती हैं, और बिना किसी स्वार्थ के अपनापन देती हैं। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि, माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना माँ के प्रेम को प्रकृति के साथ जोड़ता है। यह एक जीवंत श्रद्धांजलि है, जो न केवल माँ के प्रति हमारी भावनाओं को व्यक्त करती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक उपहार है।

पैक्स सोसायटियों को मजबूत किया जाए : केदार गुप्ता

अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी श्री केदार नाथ गुप्ता ने कहा कि अभियान का संदेश है - "माँ के लिए एक पेड़, धरती के लिए एक कदम" । सभी सहकारी समितियों के साथ इस नेक कार्य में हिस्सा लेने और अपनी माँ के प्रेम को प्रकृति के साथ जोडने का आह्वान किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि, केंद्र व राज्य सरकार की मंशा है कि पैक्स सोसायटियों को मजबूत किया जाए।

सामाजिक दायित्व निभाना भी जरूरी : कश्यप

उन्होंने कहा कि यह अभियान, "सहकारिता" के साथ, भारत में सामाजिक और पर्यावरणीय उत्थान के लिए महत्वपूर्ण पहलें हैं। ये सामूहिक भागीदारी और सामूहिक जिम्मेदारी पर आधारित हैं, और इनकी मूल भावना सहयोग, संरक्षण और समाज में योगदान देने की है। "एक पेड़ माँ के नाम" पहल की शुरुआत प्रधानमंत्री द्वारा 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर की गई थी। इसका उद्देश्य माताओं की स्मृति में पेड़ लगाने को प्रोत्साहित करना और पर्यावरण संहिता को बढ़ावा देना है। यह अभियान प्रकृति और मातृत्व के बीच समानता को रेखांकित करता है, क्योंकि दोनों ही जीवन का पोषण करते हैं।

इनकी भी रही मौजूदगी

संगोष्ठी में छत्तीसगढ़ सहकारिता प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री शशिकांत द्विवेदी, सहकारिता विभाग के सचिव डॉ सी आर प्रसन्ना, आयुक्त सहकारिता श्री कुलदीप शर्मा, एमडी अपेक्स बैंक श्री के एन कांडे, अपर आयुक्त श्री एच के दोषी, सहकारिता विभाग के अधिकारी सहित जिला सहकारी बैंको, मार्कफेड, लघुवनोपज, तथा एनसीडीसी तथा बड़ी संख्या में अपेक्स बैंक, जिला सहकारी बैंकों, जिला सहकारी संघ के अधिकारी गण मौजूद थे।

सहकारिता पर सरकार का सकारात्मक दृष्टिकोण : सुब्रत साहू

अपर मुख्य सचिव, सहकारिता, छत्तीसगढ़ शासन श्री सुब्रत साहू ने राज्य स्तरीय सहकारी संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में "सहकार से संमृद्धि" अंतर्गत अनेक कार्यक्रम व नवाचार सहकारिता के माध्यम से किये जा रहे है, जिसमे सहकारिता क्षेत्र की इकाई-समितियों को बहुउद्देशीय बनाना व इस आंदोलन को और विस्तारित करना है। सहकारिता की महत्ता को ध्यान में रखते हुए 2021 में केंद्र सरकार द्वारा पृथक से सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया, जो सहकारी आंदोलन के प्रति सरकार के सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है।

केदार नाथ गुप्ता पहुंचे मुंबई : महाराष्ट्र स्टेट कोआपरेटिव बैंक मुख्यालय का किया अध्ययन

रायपुर। छत्तीसगढ राज्य सहकारी बैंक अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी श्री केदार नाथ गुप्ता 27 जून को महाराष्ट्र स्टेट कोआपरेटिव बैंक मुख्यालय मुम्बई के बैंकिंग कार्य संव्यवहार के अध्ययन हेतु प्रवास पर रहे। विदित हो कि मुम्बई देश की व्यापारिक तथा वाणिजियक राजधानी है।

साथ ही पूरे देश मे महाराष्ट्र सहकारिता की दृष्टिकोण से सबसे सुदृढ़ तथा समृद्ध राज्य रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक का एस एल आर एकाउंट महाराष्ट्र अपेक्स बैंक में है। महाराष्ट्र के कोआपरेटिव्ह सेक्टर में 300 से अधिक सहकारी शक्कर कारखाना एवं अनेक सहकारी बैंक संचालित है। जिसका नियंत्रण रिजर्व बैंक तथा पंजीयक सहकारी संस्थाएं है। समितियो के माध्यम से वितरित कृषि आदान भंडारण व वितरण तथा प्रशिक्षण पर चर्चा हुई। श्री केदार नाथ गुप्ता द्वारा अपेक्स बैंक महाराष्ट्र स्टेट में अकृषि व कृषि ऋण योजनाओ, वित्तीय प्रबंधन, आधिक्य निधियों के विनियोजन नीति तथा ''सहकार से समृद्धि की योजनाओं जैसे जन औषधि केंद्रों गैस एजेंसिया, कॉमन सर्विस सेंटर्स आदि के संचालन व उसकी प्रगति के बारे में अवगत हुए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर महाराष्ट्र अपेक्स बैंक के डॉ.अशोक वी.माने, मुख्य महाप्रबंधक, श्री नारायण एन.जाधव, महा प्रबंधक, श्री एम.एम.आहूजा, उप महाप्रबंधक, श्री संदीप चैहान, उप महाप्रबंधक, श्री बाला साहेब वार्पे, प्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी गण मौजूद रहे।

भैसमा समिति में सहकारिता संगोष्ठी और वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

भैसमा। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 जुलाई के प्रथम सप्ताह में प्रतिवर्ष 5 जुलाई अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी परिपेक्ष्य में इस वर्ष एक "पेड़ मां के नाम" के तहत वृक्षारोपण, संगोष्ठी एवं सहकार से समृद्धि कार्यक्रम सभी सहकारी समितियों में आयोजित किये जा रहे हैं। आज इसी परिपेक्ष्य में आदिवासी सेवा सहकारी समिति भैसमा में "एक पेड़ मां के नाम" के तहत वृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम समिति प्रांगण भैसमा में सहकारिता दिवस के परिपेक्ष में 'सहकारिता ध्वज' फहराया गया। सहकारिता ध्वज इंद्रधनुष के समान सात रंगों का ध्वज है जो सभी के सहभागिता का प्रतीक है। ध्वजारोहण के बाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने अपने-अपने विचार मंच के माध्यम से व्यक्त किये इसी प्रकार समिति भैसमा के उपस्थित किसानों को केसीसी चेक, माइक्रो एटीएम कार्ड, एवं क्रेडिट कार्ड उपस्थित जनप्रतिनिधियों के हाथों वितरित किया गया सहायक नोडल अधिकारी मुकेश पटेल ने अपने संबोधन में समिति द्वारा संचालित योजनाओं को विस्तार से बताया साथ ही साथ माइक्रो एटीएम से लेनदेन के प्रति किसानों को जागरूक किया गया। समिति प्रबंधक तुलेश्वर कौशिक ने एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण के तहत वृक्ष के प्राकृतिक, धार्मिक, आर्थिक एवं वैज्ञानिक महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। मंचीय संबोधन मोहम्मद जमाल खान पर्यवेक्षक एच के चौहान सहकारिता विस्तार अधिकारी, मंडल उपाध्यक्ष गोवर्धन पटेल, सरमन सिंह कंवर, जोगेंद्र कौशिक द्वारा किया गया।

ये अफसर रहे मौजूद

उपस्थित अधिकारी वर्ग में एच के चौहान सहकारिता विस्तार अधिकारी, मुकेश पटेल सहायक नोडल अधिकारी, मोहम्मद जमाल खान पर्यवेक्षक, घनश्याम मरकाम वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी, मेम सिंह कंवर ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, रामलाल कंवर ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, जे एल खूंटे ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, राजेंद्र बघेल ग्रामीण कृषि विस्तार

अधिकारी, समिति प्रबंधक तुलेश्वर कौशिक, समिति कर्मचारी कु. सर्वमंगला तंवर, उदय सिंह कंवर, भाव सिंह कंवर, गणेशराम कंवर, जनप्रतिनिधि गोवर्धन पटेल मंडल उपाध्यक्ष उरगा मंडल, सरमन सिंह कंवर, जोगेंद्र कौशिक, लखन लहरे, श्रीमती भुनेश्वरी कंवर एवं समिति क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक तुलेश्वर कौशिक द्वारा किया गया।

लेम्पस सिरिसगुडा में कृषक सभा का आयोजन

इफ्को ने नैनो तकनीक को अपनाने के विषय में समझाया

बस्तर। लैंप्स सिरिसगुडा, जिला बस्तर में 28 जून को इफको द्वारा कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सभा के मुख्य आतिथ्य में इफको से राज्य विपणन प्रबंधक श्री.आर.के.एस. राठौर,एवं उप क्षेत्र प्रबंधक दिनेश गांधी, जनपद सदस्य श्री गंगाराम जी व लैंप्स प्रबंधक श्री रुपनाथ पाणिग्रही एवं क्षेत्र के 80 प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

सभा में राज्य विपणन प्रबंधक द्वारा धान एवं मक्का फसल में इफ्को के नैनो उर्वरकों (नैनो डीएपी व नैनो यूरिया) के उपयोग की विधि, खुराक व लाभों पर विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने किसानों को इन उर्वरकों के सही समय व मात्रा में प्रयोग के माध्यम से उत्पादन लागत में कमी व मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने की दिशा में मार्गदर्शन किया, साथ ही नैनो उत्पादों की खरीदी पर मिलने वाले दुर्घटना बीमा लाभ की जानकारी भी किसानों को दी गई।

नैनो उर्वरक अपनाने किया गया प्रोत्साहित

इसके उपरांत जनपद सदस्य व लैंप्स प्रबंधक ने कृषकों को सरल भाषा में समझाते हुए रासायनिक उर्वरकों का उपयोग आधा करने तथा उसके स्थान पर इफ्को नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान डीएपी के विकल्प, जैव एवं नैनो उर्वरकों के लाभ, मृदा परीक्षण की आवश्यकता, बायो डीकंपोजर के प्रयोग तथा दुर्घटना बीमा योजना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी उपस्थित उप क्षेत्र प्रबंधक द्वारा विस्तार से चर्चा की गई। किसानों ने विषयवस्तु में गहरी रुचि दिखाई तथा कार्यक्रम के अंत में आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम का सुव्यवस्थित संचालन इफ्को के क्षेत्रीय अधिकारी श्री शिवशंकर मिश्रा द्वारा किया गया।

बड़े मुरमा के किसानों ने लिया सहकारी प्रशिक्षण

बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के तत्वावधान में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत बस्तर संभाग के आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बड़े मुरमा के किसानों को सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झा ने 28 से 30 जून तक सहकारी प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में लेम्पस सहकारी समिति के उद्देश्य, बैठक का महत्व, सहकारी ऋण नीति, अध्यक्ष उपाध्यक्ष संचालक मंडल के अधिकार, कर्तव्य सदस्य बनने की योग्यता संस्था में रखे जाने वाले आवश्यक रिकॉर्ड, आम सभा के बारे में बताया गया। संस्था के लिपिक देवेंद्र सेठिया तथा संपर्क साधक सुदन मौर्य का विशेष योगदान रहा।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में मलेरिया पर करारा प्रहार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और जनस्वास्थ्य के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ ने मलेरिया के स्थायी उन्मूलन की दिशा में एक निर्णायक अभियान फिर से प्रारंभ किया है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में, विभाग ने मलेरिया जैसी जानलेवा बीमारी के खिलाफएक अनुकरणीय रणनीतिक पहल करते हुए जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित किया है। 'मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान' के 12वें चरण ने न केवल अपने दायरे का विस्तार किया है, बल्कि अपने प्रभाव से यह स्पष्ट कर दिया है कि जब सरकार दृढ़ संकल्प और नीति आधारित कार्रवाई के साथ काम करती है, तो नतीजे ज़मीन पर दिखते हैं। 25 जून से जारी इस चरण के अंतर्गत राज्य के 10 जिलों में गहन जांच, उपचार और जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अब तक 19,402 घरों का दौरा किया गया है और 98,594 लोगों की रक्त जांच की गई है। इनमें से 1,265 लोग मलेरिया पॉजिटिव पाए गए। सबसे अहम बात यह रही कि सभी संक्रमित व्यक्तियों को मौके पर ही दवा की पहली खुराक उपलब्ध कराई गई, वह भी पूरी सावधानी के साथ–पहले मरीजों को स्थानीय खाद्य पदार्थ खिलाया गया, ताकि दवा का प्रभाव सुरक्षित और प्रभावशाली रहे। प्रत्येक मरीज को उपचार कार्ड दिया गया है, ताकि फॉलोअप के जरिए पूरी निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

समूह की महिलाओं को मिला सहकारी प्रशिक्षण

बस्तर। जमावाड़ा की दिव्य शक्ति महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं को सहकारी प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर एवं बस्तर जिला सहकारी संघ मर्यादित जगदलपुर के संयुक्त तत्वाधान में आंगनवाड़ी भवन में 20 जुलाई को संपन्न किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे के द्वारा समूह की महिलाओं को सहकारिता के अर्थ,महत्व, सिद्धांत आदि विषय पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया एवं छोटे-छोटे व्यवसाय कर अपने आवश्यकता पूर्ति करने व स्वावलंबी बन करके सहकारिता के माध्यम से काम करके आत्मनिर्भर बनने एवं अपना जीविकापार्जन करने को कहा गया ,एवं शासन के द्वारा , बकरी पालन, मछली पालन के लिए ऋण वितरण आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। वहीं बस्तर जिला सहकारी संघ के प्रबंधक श्री सी.के. द्विवेदी के द्वारा समूह की पंजीयन गठन आदि के बारे में विस्तार से चर्चा किया गया। प्रशिक्षण को सफल बनाने में राज्य संघ के रोमांचल पाणिग्राही व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद्मनी नाग का विशेष सहयोग रहा ।

बेमेतरा जिले में मनाया गया सहकारिता दिवस के साथ सहकारिता मंत्रालय स्थापना दिवस

बेमेतरा। सहकारिता मंत्रालय के स्थापना दिवस एवं अन्तराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार से प्राप्त निर्देशानुसार आयोजन किया गया।

बेमेतरा सहकारिता विभाग के उपायुक्त एवं उप पंजीयक के मार्गदर्शन में जिले के समस्त सहकारी क्षेत्रो में वृक्षारोपण सहित अन्य निर्धारित साप्ताहिक कार्यक्रमों को भिन्न भिन्न स्थानों पर सुचारू रूप से संपन्न कराया गया,जिसके अंतर्गत क्रमशः वृक्षारोपण, सहकारी उत्पादों का प्रदर्शनी, सहकारी युवा संवाद,सहकारी क्षेत्रों में स्वच्छता कैम्पेन, एवं अन्तराष्ट्रीय सहकारिता दिवस जैसे निर्धारित कार्यक्रमों का आयोजन सहकारिता विभाग एवं सहकारी जनों ने किया,बेमेतरा जिला में बड़े ही उमंग के साथ अंतराष्ट्रीय सहकारिता दिवस और केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय स्थापना सप्ताह का आयोजन किया गया।

लगाई गई सहकारी उत्पादों की प्रदर्शनी

साजा स्थित उन्नति उपभोक्ता सहकारी समिति द्वारा सहकारी उत्पादों का प्रदर्शनी आयोजित किया गया। जहाँ आसपास क्षेत्र के लोग प्रदर्शनी देखने का तांता लगा रहा मुख्य रूप से सहकारी प्रदर्शनी में जिला के उपायुक्त ए.के.सिंह उपस्थित रहे जिनके द्वारा उपस्थित लोगों को बताया गया कि कैसे सहकारी समितियों से जड़े कर आप आर्थिक रूप से मजबूत हो सकते है और लाभ भी अर्जित कर सकते हैं श्री सिंह ने यह भी बताया कि 1 जुलाई से 6 जुलाई तक जिले के सहकारी संस्थाओं में हजारों पौधे रोपित किए गए सिर्फ रोपित नही किए जिन्होंने ने वृक्षारोपण किया है उनके द्वारा संकल्प भी किया गया कि उनकी रक्षा कर उन्हें बड़ा भी करने में उनकी भागीदारी रहेगी।

युवाओं के साथ हुआ सहकारी संवाद

इसी क्रम में ग्रामीण क्षेत्र के स्कूल में उपायुक्त सहकारिता के मार्गदर्शन में बेमेतरा जिला सहकारी संघ द्वारा युवाओं से सहकारी सवांद आरम्भ हुआ जहाँ सहकारी विशेषज्ञ ने बताया कि विद्यालय के छात्रो के बीच मिलजुल कर क्रिकेट, कबड्डी इत्यादि खेलों में भी सहकारिता का भाव उपस्थित रहता है पढ़ाई के दौरान किसी छात्र के पास सामग्री का न होने पर सहयोग भी एक दूसरे के प्रति सहकारिता के भावनाओं को प्रदर्शित करता है, कार्यक्रम के अंत मे उपस्थित समस्त अतिथियो का आभार जिला सहकारी संघ प्रभारी प्रबंधक सृजन दीवान ने किया।

ये रहे उपस्थित

उक्त अवसरों पर उप आयुक्त एवं उप पंजीयक सहकारिता ए के सिंह, प्राधिकृत अधिकारी जिला सहकारी संघ विनय कुमार जेहोआश, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक महेंद्र टेकाम, नवागढ़ सीईओ पल्लवी मेश्राम, बेरला सीईओ सुश्री रुपिका यादव, बेमेतरा सीईओ संदीप वर्मा, सेवा सहकारी समितियों के समस्त प्राधिकृत अध्यक्ष एवं समस्त कर्मचारी सहित सहकारी जन उपस्थित रहे।

पैक्स जामगांव में की गई सहकारिता पर चर्चा

जामगांव। अंतर्राष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 के अवसर पर पैक्स जामगांव में 4 जुलाई को सहकारिता पर चर्चा किया गया एवं एक पेड़ मां के नाम लगाने हेतु जागरूकता कार्यक्रम सेवा सहकारी समिति मर्यादित जामगांव जिला धमतरी में किया गया।

इस अवसर पर सहकारिता के सकारात्मक आयाम, किसानों को सहकारी समितियां से होने वाले लाभ, सहकारिताओं में युवाओं की आवश्यकता पर चर्चा की गई। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस 5 जुलाई 2022 को पूरे देश में चल रहे वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम से ग्रामीण जनों को अवगत कराया गया साथ ही उनको एक पेड़ मां के नाम लगाने हेतु प्रेरित किया गया। इसी कड़ी में जिले के सहकारी निरीक्षक अरविंद मिश्रा ने भी वृक्ष लगाने का महत्व एवं पर्यावरणीय चुनौतियों के बारे में आम जन को अवगत कराया। इस कार्यक्रम में सहकारी प्रशिक्षण केंद्र रायपुर के व्याख्याता गण पुरुषोत्तम सोनी, राजेश साहू, सुरेश पटेल समिति प्रबंधक सेवक साहू एवं समिति के कर्मचारीगण व कृषक सदस्य उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 अंतर्गत सहकारिता दिवस पर योगेश ठाकुर प्राधिकारी लेम्पस जगदलपुर द्वारा वृक्षारोपण

बस्तर। अंतर्राष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 के अवसर पर 5 जुलाई अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर जगदलपुर लेंपस में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के प्राधिकारी श्री योगेश ठाकुर द्वारा बैंक के शाखा प्रबंधक श्रीमती रेणु शुक्ला एवं राज्य सहकारी संघ के वरिष्ठ प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे बस्तर जिला सहकारी संघ मर्यादित जगदलपुर के प्रबंधक श्री सीके द्विवेदी की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण उपरांत जगदलपुर लेंपस के अधिकारी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए राज्य सहकारी संघ की वरिष्ठ प्रशिक्षक द्वारा सहकार से समृद्धि अंतर्गत भारत सरकार द्वारा किए जा रहे 54 पहलों में से 16 पहल जो प्राथमिक सहकारी समितियां को समृद्ध कर किसानों में खुशहाली लाने हेतु किया जा रहे प्रयासों में लेंपस पैक्स के अधिकारी कर्मचारियों की भूमिका पर विस्तार से ज्ञान करवाया गया। कार्यक्रम के दौरान श्री सीके द्विवेदी प्रबंधक जिला सहकारी संघ एवं श्रीमती रानू शुक्ला शाखा प्रबंधक सीसीबी द्वारा भी संबोधित किया गया। उपरोक्त जानकारी को लेंपस के अधिकारियों हेतु उपयोगी मानते हुए प्राधिकारी श्री योगेश ठाकुर द्वारा वर्ष के दौरान लेंपस के आश्रित ग्रामों में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की मंशा जाहिर की गई। प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने में लेंपस जगदलपुर के अधिकारी कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

कृभको का सामूहिक परिचर्चा कार्यक्रम

बोलोद। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा के राज्य विपणन प्रबंधक श्री आशुतोष चंद्राकर, के निर्देशन में प्रभात दीक्षित, क्षेत्रीय प्रतिनिधि जिला-दुर्ग द्वारा सहकारिता सप्ताह के तहत एक सामूहिक परिचर्चा कार्यक्रम 2 जुलाई को सहकारी समिति जेवरतला में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजेंद्र राठिया, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला बालोद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षत श्री घसिया साहू अध्यक्ष सहकारी समिति जेवरतला रहे। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि श्री सोमेंद्र साहू सहकारिता विस्तार अधिकारी डौंडी, श्री सी आर रावते नोडल जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बालोद, श्री भागवत साहू जी. वी. टी. कॉर्डिनेटर छत्तीसगढ़ एवं श्री पुरान साहू पूर्व अध्यक्ष सहकारी समिति लाताबोड़ एवं बालोद जिले के लगभग 90 समिति प्रबंधक उपस्थित रहे।

कृभको और सहकारिता के बारे में दी गई जानकारी

कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित सभी अतिथियों का परिचय करते हुए पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों को कृभको प्रतिनिधि प्रभात दीक्षित द्वारा कार्यक्रम का थीम, कृभको एवं सहकारिता के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में उपस्थित समिति प्रबंधकों को सहकारिता विस्तार अधिकारी श्री सोमेंद्र साहू जी द्वारा समिति के ऑडिट सम्बन्धी कई उपयोगी जानकारी प्रदान की एवं ऑडिट के महत्तव को विस्तार से बताया इसके पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजेंद्र राठिया उप पंजीयक बालोद ने समितियों के डिजिटलाइजेशन, पैक्स ऑडिट की रूपरेखा के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए समितियों के सही संचालन एवं कार्य प्रणाली के बारे में बताया।

ऋण वितरण, भुगतान, उर्वरक आपूर्ति और वितरण पर चर्चा

केंदीय बैंक नोडल अधिकारी श्री रावते ने समितियों में ऋण वितरण, ऋण भुगतान, उर्वरक आपूर्ति एवं वितरण, डीबीटी, बीज बिक्री इत्यादि विषयों के बारे में विस्तृत चर्चा की। भागवत जी ने सहकारिता मंत्रालय द्वारा पैक्स के सुदृढ़ीकरण एवं उत्थान के लिए जो नीतियां, योजनाएं चलाई गई है उसके बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में उपस्थितसमिति प्रबंधक अतिथियों को वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित करते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए अपील की गई। साथ ही कार्यक्रम में समिति प्रांगण में उपस्थित अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम के अंतिम कड़ी में क्षेत्रीय प्रतिनिधि कृभको द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए जलपान के लिए आमंत्रित किया।

समितियों के मध्य सहयोग ही सहकारिता का मूल मंत्र : सीपी साहू

धमतरी। आज समय आ गया है कि, सभी क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियां परस्पर सहयोग की नीति को अपनाकर मूल मंत्र बनाये। यह सिद्धांत सहकारिता का प्रारंभिक सिद्धांत है तथा आज भी प्रासंगिक है। उक्त विचार सीपी साहू ने 3 जुलाई को प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित कुरमातराई में जिला सहकारी संघ धमतरी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर व्यक्त किये।

इस अवसर पर पैक्स कुरमातराई के प्राधिकृत अधिकारी द्विजराम सिन्हा, ग्राम पंचायत कुरमातराई सरपंच श्रीमती भुनेश्वरी साहू, पंच श्रीमती पुष्पा साहू, सहकारिता विस्तार अधिकारी विकासखंड धमतरी संगीता सिन्हा, प्रवक्ता डॉक्टर ए एन दीक्षित, प्राधिकृत अधिकारी जिला सहकारी संघ धमतरी सी पी साहू, पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी संघ धमतरी टेमनलाल साहू, छत्तीसगढ़ राज्य शिल्पी संघ के महासचिव अवध देवांगन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सरकारी योजनाओं से खुलता है विकास का मार्ग

इस अवसर पर सरपंच भुनेश्वरी साहू ने कहा कि, यह आयोजन कृषकों में जागरूकता बढ़ाने में सहायक होगा। पंच पुष्पा ने कहा कि सहकारिता एक लाभकारी आंदोलन है। प्राधिकृत अधिकारी द्विजराम सिन्हा ने कहा कि, शासन की विभिन्न जानकारियो से ही विकास का मार्ग खुलता है। पूर्व अध्यक्ष जिला संघ टेमनलाल साहू ने सहकारिता का अर्थ, महत्व और उद्भव पर जानकारी दी। जिला संघ के प्राधिकृत अधिकारी सीपी साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश को 500 करोड़ पेड़ की आवश्यकता है। एक पेड़ मां के नाम आंदोलन इसी लक्ष्य की दिशा में एक प्रयास है। छत्तीसगढ़ में देवभोग डेयरी समिति किसानों की उन्नति के लिए कार्य कर रही है। हमें गांव में डेयरी समिति गठित कर सहकार से समृद्धि का लाभ लेना चाहिए। सहकारी समिति को आपसी सहयोग द्वारा सहकार से समृद्धि अभियान को सफल बनाना चाहिए। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य दुग्ध महासंघ के देवभोग के उत्कृष्ट उत्पादक दूध, दही, घी, मीठा दही, श्रीखंड की प्रदर्शनी के माध्यम से खुले दूध के नुकसान व देवभोग की खासियतों से अवगत कराया।

पैक्स परिसर में 15 पौधे रोपे गए

कार्यक्रम उपरांत सम्माननीय अतिथियों तथा कृषकों द्वारा पैक्स परिसर में 15 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सहकारी क्षेत्र से जुड़े सदस्य व कृषक सहित महिलाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संघ प्रबंधक आनंद प्रकाश गुप्ता एवं आभार प्रदर्शन पैक्स प्रबंधक कुरमातराई अरुण कुमार सोनवानी ने किया।

उत्पादों का भी प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ राज्य शिल्पी संघ के महासचिव अवध देवांगन ने कहा कि, छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा संघ सभी विभागों के लिए नोडल एजेंसी है। समिति द्वारा 56 प्रकार के वस्त्र बनाए जाते हैं, जो अस्पताल, कार्यालय, घरों में उपयोग किए जाते हैं। इस अवसर पर अभिनव बुनकर सहकारी समिति बिजनापुरी द्वारा निर्मित वस्त्रों का तथा दुग्ध संघ द्वारा उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। प्रवक्ता डॉक्टर दीक्षित ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारी समितियो ने देश में उल्लेखनीय मात्रात्मक प्रगति की है। वर्तमान में सहकारी समितियो की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, उन्होंने सहकारी आंदोलन को स्वस्फूर्त बनाने हेतु सदस्यों को सक्रिय एवं जागरूक बने रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

कृषि साख सहकारी समिति सेजबहार में वृक्षारोपण एवं सहकारी गोष्ठी का आयोजन

सेजबहार। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस 5 जुलाई के अवसर पर प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति सेजबहार जिला रायपुर के तत्वाधान में "एक पेड़ मां के नाम" पर वृहद वृक्षारोपण एवं सहकारी गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में पूर्व माध्यमिक शाला प्रांगण एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेजबहार में वृक्षारोपण का कार्य किया गया एवं द्वितीय चरण में सहकारी गोष्ठी का आयोजन पैक्स परिसर में किया गया। उक्त अवसर पर ग्राम के सरपंच कोमल जांगड़े, जनपद सदस्या श्रीमती धनेश्वरी बांदे, उपसरपंच, पंचगण, समिति के प्राधिकृत अधिकारी हिमाचल साहू, श्रीमती कीर्ति साहू एडीओ, श्रीमती भगवती गौतम ग्रामीण विस्तार अधिकारी, टीकम मिश्रा पर्यवेक्षक, ढालेंद्र साहू अध्यक्ष शाला विकास समिति, सुरेश पटेल व्याख्याता, महिला स्व सहायता समूह के अध्यक्ष भगवती साहू, धनेश्वरी साहू, ममता बारले, अंबिका चेलक एवं बड़ी संख्या में कृषक सदस्य, महिला समूह सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजेश साहू ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस 2025 के थीम 'सहकारिताएं-सतत भविष्य के निर्माण में लागों को सशक्त बनाना' पर विस्तार से प्रकाश डाला।

समिति की गतिविधियों से ग्रामीणों को कराया गया अवगत

श्रीमती कीर्ति साहू एडीओ ने खेती में बीजोपचार एवं बुवाई के संबंध में तकनीकी जानकारी दी। समिति प्रबंधक विजय ठाकुर ने एक पेड़ मां के नाम लगाने और अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस को पूरे देश में चल रहे वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम से ग्रामीण जनों को अवगत कराया गया। साथ ही समिति की गतिविधियों से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन विजय ठाकुर समिति प्रबंधक ने किया। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि गण, कृषक सदस्य, महिलाओं एवं समिति के कर्मचारियों का भरपूर सहयोग रहा।

सहकार से समृद्धि ही सहकारिता दिवस का संकल्प

धमतरी। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता स्थापना दिवस सप्ताह के पंचम दिवस 5 जुलाई को जिला सहकारी संघ धमतरी द्वारा पैक्स परिसर लिमतरा में एकदिवसीय प्रशिक्षण पश्चात परिचर्चा के साथ ही सामूहिक वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पैक्स लिमतरा के प्राधिकृत अधिकारी आनंद चंद्राकर, सरपंच श्रीमती भुवनेश्वरी साहू, इफको उप महाप्रबंधक रायपुर दिनेश गांधी, फील्ड ऑफिसर इफको धमतरी लाल बहादुर सिंह, जिला सहकारी संघ धमतरी के प्राधिकृत अधिकारी सीपी साहू, पूर्व अध्यक्ष जिला संघ टेमनलाल साहू, प्रवक्ता डॉक्टर ए एन दीक्षित की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के शुभारंभ पर इफको फील्ड ऑफिसर सिंह ने कहा कि यूरिया के अत्यधिक प्रयोग के कारण भूजल की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। जिससे नई-नई बीमारियां फैल नहीं है। पौधा छोटा रहने पर दानेदार यूरिया तथा बाद में नैनो यूरिया प्रयोग करें। इफको के खाद खरीदने पर कृषकों को मुफ्त दुर्घटना बीमा का लाभ मिलता है। उपमहाप्रबंधक इफको गांधी ने कहा कि इफको भी एक सहकारी संस्था है, जो विभिन्न प्रकार के उर्वरकों का उत्पादन कर कृषकों को उपलब्ध कराती है। सभी समितियो के द्वारा इफको के अध्यक्ष का चयन किया जाता है। नैनो की एक बोतल एक बोरी खाद के बराबर होती है, इससे बोरी वाली खाद की आवश्यकता 75 प्रतिशत तक कम हो जाती है। इसका परिवहन और प्रयोग भी आसान है।

सहकारिता दिवस का विशेष महत्व : दीक्षित

प्रवक्ता डॉक्टर दीक्षित ने कहा कि, सहकारिता दिवस प्रत्येक वर्ष जुलाई माह के पहले शनिवार को मनाया जाता है, क्योंकि वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। अतः इस वर्ष के सहकारिता दिवस का विशेष महत्व हो जाता है। दिवस मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य यही होता है कि सहकारिता से जुड़े प्रत्येक कार्यकर्ता एवं लाभार्थी सहकारिता के सिद्धांतों का फिर से पठन, मनन करें तथा स्वयं को नए उत्साह के साथ सहकारिता की उन्नति के लिए कार्य करे। लगातार सरकारी प्रयत्नों, प्रचार प्रसार व प्रशिक्षण के बाद भी हमारे देश में सहकारिता के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अभाव बना हुआ है। इस हेतु समिति के सदस्यों की सक्रियता से ही प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

इफको अधिकारियों ने बताए समाधान

कार्यक्रम के सामूहिक परिचर्चा में कृषकों द्वारा इफको अधिकारियों से कृषि संबंधी जानकारी के साथ प्रश्न किए गए, जिनका उनके द्वारा समुचित समाधान किया गया, पश्चात मंचस्थ अतिथियों व कृषकों द्वारा पैक्स परिसर में एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संघ प्रबंधक आनंद प्रकाश गुप्ता व आभार प्रदर्शन पैक्स लिमतरा प्रबंधक प्रेम कुमार साहू ने किया।

जानकारियां लेकर लाभ उठाएं किसान

सरपंच श्रीमती साहू ने कृषकों को इस कार्यक्रम में दिए जाने वाले जानकारी का लाभ उठाने को कहा। पैक्स प्राधिकृत अधिकारी चंद्राकर ने कृषकों को समिति से जुडने व इसके लाभ से अवगत कराया। पूर्व अध्यक्ष जिला संघ टेमनलाल साहू ने सहकारिता का उद्भव एवं इतिहास तथा भारत में सहकारिता का विधिवत आगमन पर जानकारी दी। संघ के प्राधिकृत अधिकारी साहू ने सहकार से समृद्धि के लिए युवक बुनकर समिति से जुडकर कपड़ा बुनने का मुफ्त प्रशिक्षण एवं छात्रवृत्ति प्राप्त करने के साथ गोपालन के विकास के लिए गायों की नस्ल सुधारने एवं उन्हें पोषक आहार देने प्रेरित किया तथा भविष्य को ध्यान में रखकर जैविक खेती को अपनाकर भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनने आव्हान किया।

अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर सहकारी संस्थाओं में हुए अनेक आयोजन

सहकारिता दिवस पर पैक्स लिमतरा में प्रशिक्षण और वृक्षारोपण का आयोजन

धमतरी। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता स्थापना दिवस सप्ताह के पंचम दिवस 5 जुलाई को जिला सहकारी संघ धमतरी द्वारा पैक्स परिसर लिमतरा में एकदिवसीय प्रशिक्षण पश्चात परिचर्चा के साथ ही सामूहिक वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पैक्स लिमतरा के प्राधिकृत अधिकारी आनंद चंद्राकर, सरपंच श्रीमती भुवनेश्वरी साहू, इफ्को उप प्रबंधक रायपुर दिनेश गांधी, फील्ड ऑफिसर इफ्को धमतरी लाल बहादुर सिंह, जिला सहकारी संघ धमतरी के प्राधिकृत अधिकारी सीपी साहू, पूर्व अध्यक्ष जिला संघ टेमनलाल साहू, प्रवक्ता डॉक्टर ए.एन. दीक्षित की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के शुभारंभ पर इफ्को फील्ड ऑफिसर लाल बहादुर सिंह ने कहा की यूरिया के अत्यधिक प्रयोग के कारण भूजल की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। जिससे नई-नई बीमारियां फैल नहीं है। पौधा छोटा रहने पर दानेदार यूरिया तथा बाद में नैनो यूरिया प्रयोग करें। इफ्को के खाद खरीदने पर कृषकों को मुफ्त दुर्घटना बीमा का लाभ मिलता है।

डॉक्टर दीक्षित ने सहकारिता दिवस के उद्देश्य बताए

प्रवक्ता डॉक्टर दीक्षित ने कहा कि, सहकारिता दिवस प्रत्येक वर्ष जुलाई माह के पहले शनिवार को मनाया जाता है, क्योंकि वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। अतः इस वर्ष के सहकारिता दिवस का विशेष महत्व हो जाता है। दिवस मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य यही होता है कि, सहकारिता से जुड़े प्रत्येक कार्यकर्ता एवं लाभार्थी सहकारिता के सिद्धांतों का फिर से पठन, मनन करें और स्वयं को नए उत्साह के साथ सहकारिता की उन्नति के लिए कार्य करें। लगातार सरकारी प्रयत्नों, प्रचार प्रसार व प्रशिक्षण के बाद भी हमारे देश में

सहकारिता के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अभाव बना हुआ है। इस हेतु समिति के सदस्यों की सक्रियता से ही प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

इफ्को भी सहकारी संस्था है : दिनेश गांधी

उपप्रबंधक इफ्को दिनेश गांधी ने कहा कि, इफ्को भी एक सहकारी संस्था है, जो विभिन्न प्रकार के उर्वरकों का उत्पादन कर कृषकों को उपलब्ध कराती है। सभी समितियो के द्वारा इफ्को के अध्यक्ष का चयन किया जाता है। नैनो की एक बोतल एक बोरी खाद के बराबर होती है, इससे बोरी वाली खाद की आवश्यकता 75% तक कम हो जाती है। इसका परिवहन और प्रयोग भी आसान है। सरपंच श्रीमती साहू ने कृषकों को इस कार्यक्रम में दिए जाने वाले जानकारी का लाभ उठाने को कहा। पैक्स प्राधिकृत अधिकारी चंद्राकर ने कृषकों को समिति से जुड़ने व इसके लाभ से अवगत कराया। पूर्व अध्यक्ष जिला संघ टेमनलाल साहू ने सहकारिता का उद्भव एवं इतिहास तथा भारत में सहकारिता का विधिवत आगमन पर जानकारी दी। संघ के प्राधिकृत अधिकारी साहू ने सहकार से समृद्धि के लिए युवक बुनकर समिति से जुड़कर कपड़ा बुनने का मुफ्त प्रशिक्षण एवं छात्रवृत्ति प्राप्त करने के साथ गोपालन के विकास के लिए गायों की नस्ल सुधारने एवं उन्हें पोषक आहार देने प्रेरित किया तथा भविष्य को ध्यान में रखकर जैविक खेती को अपनाकर भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनने आव्हान किया।

कार्यक्रम के सामूहिक परिचर्चा में कृषकों द्वारा इफ्को अधिकारियों से कृषि संबंधी जानकारी के साथ प्रश्न किए गए, जिनका उनके द्वारा समुचित समाधान किया गया, पश्चात मंचस्थ अतिथियों व कृषकों द्वारा पैक्स परिसर में एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संघ प्रबंधक आनंद प्रकाश गुप्ता व आभार प्रदर्शन पैक्स लिमतरा प्रबंधक प्रेम कुमार साहू ने किया।

बैंक के अधिकारी- कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर एवं बस्तर जिला सहकारी संघ मर्यादित जगदलपुर के संयुक्त तत्वाधान में अंतराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के पूर्व संध्या में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के भवन में अधिकारी कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजन किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में संयुक्त आयुक्त सहकारिता बस्तर संभाग श्री विनोद बुनकर एवं उपायुक्त सहकारी संस्थाएं जगदलपुर डॉक्टर उषा ध्रुव उपस्थित रहे जिनके द्वारा सहकारिता के महत्व पर विस्तार से विचार व्यक्त किया गया, प्रशिक्षण वर्ग में श्री विवेक पांडे जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक एवं बस्तर जिला सहकारी संघ के प्रबंधक श्री सी. के. द्विवेदी द्वारा अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस, सहकारिता वर्ष के रूप में जिसका मुख्य थीम बेहतर विश्व के लिए समावेशी एवं टिकाऊ समाधान को आगे बढ़ाने हेतु दिया गया प्रशिक्षण के दौरान सहकार से समृद्धि लाने हेतु भारत सरकार के पहल पर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास विशेषकर प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से जानकारी दी गई प्रशिक्षण वर्ग के दौरान बैंक के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ए. राजा एवं शाखा प्रबंधक के साथ-साथ बैंक के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे एवं राज्य सहकारी संघ के श्री रोमांचल पाणिग्राही का सहयोग रहा।

सहकारिता पर चर्चा और एक पेड़ मां के नाम पर दिया गया संदेश

धमतरी। दरबा जिला धमतरी मे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कया गया। वक्त कार्यक्रम में सहकारिता का महत्व सहकारी समितियां द्वारा किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं एवं लाभ के बारे में अवगत कराया गया। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस 5 जुलाई 2022 को पूरे देश में चल रहे वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम से ग्रामीण जनों को अवगत कराया गया साथ ही उनको एक पेड़ मां के नाम लगाने हेतु प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में सहकारी प्रशिक्षण केंद्र रायपुर के व्याख्याता गण पुरुषोत्तम सोनी, राजेश साहू, सुरेश पटेल एवं समिति के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कंगोली विद्यालय में स्थापना दिवस मनाया गया

बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के तत्वावधान में बस्तर जिला के ग्राम कंगोली के विद्यालय में 4 मई को स्थापना दिवस के उत्सव में सहकारीता विषय पर व्याख्यान सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झा द्वारा दिया गया। विद्यालय के व्याख्याता श्री घनश्याम श्रीमती रेनू श्रीवास्तव श्रीमती सूत्री राम के द्वारा भी आज के युग में सहकारिता के महत्व के बारे में बच्चों को जानकारी दिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संपर्क साधक सुदन मौर्य का विशेष योगदान था।

बुनकर सहकारी समिति नगपुरा में अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर चर्चा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के तत्वाधान में 3 जुलाई को श्री नागेश्वरी बुनकर सहकारी समिति मर्यादित नगपुर, जिला दुर्ग में एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें समिति के पूर्व अध्यक्ष श्री गुहा राम देवांगन, पूर्व संचालक श्री भरत देवांगन, प्रबंधक श्री भूपेंद्र कुमार देवांगन व महिला सदस्य उपस्थित रही कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई, अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस कब मनाया जाता है, अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस का इतिहास, उद्देश्य वह सहकारिता के सिद्धांतों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण आराधना वर्मा एवं मोहनलाल दुबे छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर द्वारा दिया गया।

सरगीपाल की महिलाओं ने किया वृक्षारोपण

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर एवं बस्तर जिला के संयुक्त तत्वाधान में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत अंतराष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 के अवसर पर ग्राम पंचायत सरगीपाल के पंचायत भवन में महिलाओं का सहकारी शिक्षण 2 जुलाई को संपन्न किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान सहकारिता के अर्थ, महत्व, सिद्धांत के साथ-साथ सहकार से समृद्धि लाने हेतु प्रत्येक ग्राम पंचायत में सहकारी समिति स्थापना हेतु समिति के गठन व पंजीयन पर श्री विवेक पांडे जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक एवं श्री सी.के. द्विवेदी प्रबंधक द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वर्ग समाप्ति उपरांत महिलाओं द्वारा अंतराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत पंचायत भवन में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती दयावती नाग एवं आंगनबाड़ी सहायिका के साथ-साथ संघ के रोमांचल पाणिग्राही का सहयोग रहा।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस सप्ताह का शुभारंभ

धमतरी। सहकारिता मंत्रालय के स्थापना दिवस सप्ताह (1 जुलाई से 6 जुलाई) अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उत्सव के लिए प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत विविध गतिविधियों के क्रियान्वयन के अंतर्गत जिला सहकारी संघ धमतरी द्वारा 1 जुलाई को प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित भोथली में प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर मॉडल ऑडिटिंग व वार्षिक आम सभा से संबंधित विषयों की जानकारी के पश्चात एक पेड़ मां के नाम के तहत 10 वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दिलीप सेन सदस्य जनपद पंचायत धमतरी, श्रीमती शिवरात्रि ध्रुव सरपंच ग्राम पंचायत भोथली, डॉ ए एन दीक्षित प्रवक्ता, सी पी साहू प्राधिकृत अधिकारी जिला सहकारी संघ धमतरी की गरिमामयी उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व भारत माता के चित्र पर पूजन अर्चन पश्चात अतिथियों के स्वागत उपरांत प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में दिलीप सेन ने कहा कि किसानों को साहूकारों के जाल से मुक्त कराने हेतु 1904 में सहकारिता का प्रारंभ हुआ। प्रधानमंत्री ने केंद्र में सहकारिता मंत्रालय का गठन कर सहकारी समितियों के विकास व लाभ से हम सभी परिचित हैं।

सरपंच श्रीमती ध्रुव ने गांव के नवयुवकों का आव्हान करते हुए सहकारिता के विकास में कार्य करने प्रेरित किया। प्राधिकृत अधिकारी साहू ने मॉडल ऑडिटिंग व वार्षिक आम सभा की प्रक्रिया संबंधी विस्तार से जानकारी दी, इसके साथ ही उन्होंने गांव में एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जाकर हर पंचायत में 100 पेड़ लगाने अपील की। प्रवक्ता डॉक्टर दीक्षित ने सहकारिता की विशेषताएं एवं सिद्धांत से अवगत कराते हुए कहा कि सरकार से समृद्धि अभियान ने सहकारी समितियो में जड़ता को समाप्त किया है। अब समिति के जागरूक नवयुवक अपनी समिति में नई गतिविधियां जोडक़र गांव की समृद्धि के वाहक बन सकते हैं। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सहकारी क्षेत्र से जुड़े सदस्य, कृषक व महिलाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन संघ प्रबंधक आनंद प्रकाश गुप्ता एवं आभर प्रदर्शन पैक्स भोथली प्रबंधक मुकेश साहू ने किया।

अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर राज्य सहकारी संघ मुख्यालय में हुआ संगोष्ठी का आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ एवं जिला सहकारी संघ रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन 6 जुलाई को किया गया।

उल्लेखनीय है कि, अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन द्वारा वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है, जिसका मुख्य थीम बेहतर विश्व के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान को आगे बढ़ाना हैं। सहकारिता मंत्रालय द्वारा सहकारिता मंत्रालय स्थापना दिवस के रूप में इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस को मनाने हेतु 1 से 6 जुलाई तक विभिन्न विषयों में कार्यक्रम आयोजित करने हेतु रूपरेखा तैयार की गई थी उसी के अनुरूप पूरे देश तथा छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस में अनेको कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय सहकारी दिवस पर प्रकाश डाला गया तथा भविष्य में सहकारी आंदोलन को गति देने हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पीसी ध्रुव, रायपुर जिला सहकारी संघ रायपुर की प्रबंधक श्रीमती मंजूषा तिवारी, राज्य सहकारी संघ एवं रायपुर जिला सहकारी संघ, रायपुर के अधिकारी कर्मचारी एवं सहकारिता क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सहकारिता विभाग ने पूरे छत्तीसगढ़ में 1 लाख वृक्षारोपण करते हुए उनकी सुरक्षा का लिया संकल्प

- **2058 पैक्स सोसायटियो ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण पर प्रतिबद्धता और सामूहिक भागेदारी निभाई**
- **सोसाइटी परिसरों व धान खरीदी केन्दों में किया गया वृक्षारोपण**

रायपुर। भारत सरकार के 'सहकार से समृद्धि' अंतर्गत सहकारिता विभाग द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़कर पूरे छत्तीसगढ़ में 1 लाख वृक्षारोपण किया गया। केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय के निर्देशन में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस 05 जुलाई को समाहित करते हुए पूरे छत्तीसगढ़ के सहकारी संस्थाओं में 1 जुलाई से 6 जुलाई तक विविध कार्यक्रमों, शिविरों, सहकारी संगोष्ठियों तथा वृक्षारोपण का आयोजन किया गया।

सहकारिता विभाग द्वारा "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत अपेक्स बैंक, सभी जिला सहकारी केंद्रीय बैंको तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सेवारत 2058 पैक्स सोसायटियो तथा प्रदेश के धान उपार्जन केंद्रों में 1 लाख वृक्षारोपण का लक्ष्य रखा गया था। छत्तीसगढ़ के कोआपरेटिव्ह सेक्टर में "एक पेड़ माँ के नाम" के तहत 1 लाख पौधे का वृक्षारोपण किया गया तथा सभी ने उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया। सहकारिता और एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान दोनों ही सामाजिक उत्थान व पर्यावरणीय संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण पहल है, जो कि सामूहिक भागीदारी पर आधारित है। माँ और प्रकृति दोनों ही जीवनदायिनी है।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर ग्राम एरिकपाल के हाई स्कूल में बच्चों को सहकारिता के बारे में प्रशिक्षक मितेश पानीग्राही द्वारा जानकारी दी गई ।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर सेवा सहकारी समिति मर्यादित नवागांव ,धमधा जिला दुर्ग

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर दरबा समिति में वृक्षारोपण किया गया।

बालोद जिला सहकारी संघ एवं बालोद समिति द्वारा बालोद समिति परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

शाखा तुमगांव समिति - तुमगांव, ग्राम-पंचायत भोरिंग में नाबार्ड अधिकारी श्री प्रियव्रत साहू सर, लीड बैंक अधिकारी, शाखा प्रबंधक तुमगांव, समिति प्रबंधक, अध्यक्ष व सदस्यगण।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर सेवा सहकारी समिति सिरसा में वृक्षारोपण किया गया।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर सेवा सहकारी समिति खिलोरा में वृक्षारोपण किया गया।

सेवा सहकारी समिति बनरांका में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया जिसमें साजा के विधायक श्री ईश्वर साहू, थान खम्हरिया मंडल के अध्यक्ष केशव पटेल, जिला पंचायत सभापति प्रतिनिधि गोविंद पटेल, परमेश्वर वर्मा, बनरांका सरपंच चितरेन साहू एवं थान खम्हरिया समिति अध्यक्ष जगदीश वैष्णव मौजूद रहे।

सेवा सहकारी समिति मर्यादित सेमरिया शाखा दाढ़ी में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें प्राधिकृत अध्यक्ष श्री संतोष साहू सेमरिया पंचायत के सरपंच श्रीमती अनुसुइया बाई साहू, सरपंच प्रतिनिधि श्री मोहित साहू, सम्माननीय श्री लालाराम साहू, श्रीमती ईशर बाई साहू,राजाराम साहू, सेमरिया समिति के कार्यक्षेत्र के कृषक गण समिति प्रबंधक श्री शंकर लाल दिवाकर एवं समस्त समिति कर्मचारी उपस्थित थे।

सेवा सहकारी समिति जामगांव आर में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें प्राधिकृत अधिकारी भगवान सिंह चंद्राकर, जनपद सदस्य रामकुमार चंद्राकर, सरपंच रूपेंद्र शुक्ला, ग्रामीण अध्यक्ष के एल साहू, पूर्व डायरेक्टर जयप्रकाश चंद्राकर, शाला विकास समिति अध्यक्ष अंगेश्वर साहू आदि शामिल हुए।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर सेवा सहकारी समिति मर्यादित गोड़गिरी में वृक्षारोपण किया गया।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर सेवा सहकारी समिति मर्यादित पदुमसरा में वृक्षारोपण।

नैनो डीएपी का उपयोग : धान की फसल में ऐसे कर सकते हैं इस्तेमाल

रायपुर। धान का कटोरा कहे जाने वाले इस राज्य में जोरों-शोरों से धान फसल की तैयारी चल रही है एवं बुवाई, रोपाई चरम सीमा पर है। साथ ही फसल हेतु खाद एवं उर्वरकों की मांग भी तेजी से बढ़ी है।

इफ्को द्वारा निर्मित नैनो डीएपी, दानेदार डीएपी का एक बेहतर विकल्प है। नैनो उर्वरक, रासायनिक दानेदार उर्वरकों का एक श्रेष्ठ, अधिक उत्पादन देने वाला एवं प्रदूषण रहित विकल्प है। इसके उपयोग से दानेदार उर्वरकों की मात्रा को 50 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है तथा गुणवत्तापूर्ण पैदावार प्राप्त की जा सकती है। इससे फसल, मिट्टी एवं किसान–तीनों को लाभ होगा।

इफ्को द्वारा किसानों तक नैनो डीएपी के प्रचार-प्रसार हेतु कई साधनों का उपयोग किया जा रहा है। नैनो डीएपी का बीज उपचार या फिर पौध उपचार करने का यह सबसे उपयुक्त समय है। इसके लिए प्रचार वाहन एवं फील्ड में कार्यरत कर्मचारी किसानों के पास जाकर तथा खेतों में प्रदर्शन के माध्यम से इसके उपयोग की विधि एवं लाभ समझा रहे हैं।

आइए जानते हैं इसके उपयोग की सही विधि-

नैनो डीएपी : नर्सरी में बीज डालना हो या सीधे बीज की बुआई द्वारा फसल लगानी हो या पौध की रोपाई करनी हो, नैनो डीएपी से बीज या पौध का उपचार करना पहला कदम होगा। बीज का उपचार करने हेतु 5 मिलीलीटर नैनो डीएपी प्रति किलोग्राम बीज या 5 मिलीलीटर नैनो डीएपी प्रति लीटर पानी में मिलाकर बीज या पौध की जड़ों को लगभग आधे घंटे के लिए घोल में डुबोकर रखें, फिर इसे निकालकर बुआई/रोपाई करें। इसके बाद रोपी फसल पर 20 दिन बाद और बोई गयी फसल पर अंकुरण के 30 दिन बाद पर 4 मिलीलीटर नैनो डीएपी प्रति लीटर पानी की दर से यानी की 15 लिटर वाली स्प्रेयर की टंकी में ढ़ाई ढ़क्कन की मात्रा मिलाकर नैनो डीएपी का पत्तियों पर छिडक़ाव करें। ड्रोन द्वारा भी इसका छिड़काव आसानी से किया जा सकता है। एक किसान भाई द्वारा दो अलग-अलग हिस्सों में प्रयोग किया गया।

बस्तर जिले के कृषकों को मिला सहकारी प्रशिक्षण

बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ संभागीय कार्यालय जगदलपुर के तत्वाधान में जिला बस्तर के ग्राम टिकरालोहगा के पंचायत भवन में कृषक भाइयों का सदस्य वर्ग का आयोजन प्रशिक्षक मितेश पानीग्राही द्वारा दिनांक 20 व 21 जून को किया गया। जिसमें सहकारिता का अर्थ, महत्व, सिद्धांत, उद्देश्य, विकास सदस्यता सदस्य के अधिकार, कर्तव्य, आम सभा, ऋणनीति, व्यवसाय विकास आदि पर विस्तार से चर्चा दिया गया। जिससे सफल बनाने में संघ के संपर्क साधक श्री करुणाकर मंडन का सहयोग सराहनीय रहा।

सेवा सहकारी समिति गोढ़ीकला में कलेक्टर ने रोपे पौधे

नवागढ़। सेवा सहकारी समिति गोढ़ीकला में जिला कलेक्टर रणवीर शर्मा के कर कमलों से वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग के उप आयुक्त एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं बेमेतरा ए.के.सिंह ने कलेक्टर को धन्यवाद एवं सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, सहकारिता मंत्रालय के स्थापना सप्ताह के चलते केंद्र से गाइडलाइंस जारी हुई, जिसके तहत सप्ताह भर 1 से 6 जुलाई तक भिन्न-भिन्न कार्यक्रम का आयोजन था। इन कार्यक्रमों में मुख्य रूप से वृक्षारोपण किया जाना था, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, जिला सहकारी संघ एवं जिला के समितियों के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण किया गया।

उक्त कार्यक्रम में बेमेतरा कलेक्टर रणबीर शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती दिव्या पोटाई, उप पंजीयक ए.के.सिंह, प्राधिकृत अध्यक्ष बल्लू राजपूत, सहकारिता विस्तार अधिकारी पल्लवी मेश्राम सहित समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

लेम्पस जमावाड़ा में किया गया सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन

बस्तर। जिले के जगदलपुर विकासखंड के जमावाड़ा में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर एवं बस्तर जिला सहकारी संघ मर्यादित जगदलपुर के संयुक्त तत्वावधान में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित जामावाड़ा के लेंम्पस भवन में 26 जून को सहकारी शिक्षा प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के मुख्य प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे द्वारा किसानों को सहकारिता के सिद्धांत आर्थिक, महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया साथ ही किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ होने के लिए किसानों को नए-नए किस्म के बीजों व हरित क्रांति अपनाने के बारे में विशेष जोर दिया गया एवं किसानों को एक जुट होकर काम करने व किसान क्लब के माध्यम से समूह बनाकर कार्य करने को कहा गया एवं शासन के द्वारा गोपालन के लिए बिना ब्याज की आर्थिक मदद के बारे में बताया गया। एवं बस्तर जिला सहकारी संघ के प्रबंधक श्री सी. के. द्विवेदी के द्वारा किसानो को सहकारी बहुउद्देशीय सहकारी समितियों की यौजनाओं के बारे में विस्तार से ज्ञान करवाया गया एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समिति के प्राधिकृत अध्यक्ष के द्वारा किसानों को उत्तम बीज व खाद, दवाई आदि उपयोग करके खेती की अच्छा पैदावार लेने के लिए कहा गया। वर्ग को सफल बनाने में जमावड़ा लेंम्पस के कर्मचारीयों एवं संघ के रोमांचल पाणिग्राही का विशेष सहयोग रहा।

दुग्ध समितियों का प्रशिक्षण : दूध का उत्पादन बढ़ाना और लागत कम रखने के बताए गए तरीके

धमतरी। जिला स्तरीय दुग्ध सहकारी समितियो का एक दिवसीय प्रशिक्षण अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत 24 जून को दुग्ध शीत केंद्र ग्राम मुजगन में संपन्न हुआ। जिला सहकारी संघ धमतरी के तत्वाधान में आयोजित प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य राज्य व केंद्र शासन की योजनाओं, दुग्ध उत्पादन हेतु उन्नत नस्ल के पशुओं का चुनाव, दुग्ध उत्पादन एवं पोषक आहार, शेड व दुधारू पशु हेतु सब्सिडी सहित "सहकार से समृद्धि" के तहत जागरूकता लाना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रंजना डीपेंद्र साहू पूर्व विधायक धमतरी, कार्यक्रम अध्यक्ष परिणीता साहू पूर्व संचालक छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ रायपुर, विशिष्ट अतिथि प्रदीप ठाकुर उपायुक्त सहकारिता धमतरी, डॉक्टर एम एस बघेल उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं धमतरी, डॉक्टर ए एन दीक्षित पूर्व प्राचार्य पीजी कॉलेज धमतरी, डॉक्टर टी आर वर्मा अतिरिक्त उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं धमतरी, सी पी साहू प्राधिकृत अधिकारी जिला सहकारी संघ धमतरी की गरिमामयी में उपस्थिति में दीप प्रज्वलन व भारत माता के चित्र पर पूजन अर्चन पश्चात मंचस्थ अतिथियों के स्वागत उपरांत हुआ।

हरा चारा घटाएगा दूध उत्पदन की लागत

उप संचालक बघेल ने कहा कि हरा चारा दूध की उत्पादन लागत घटाने हेतु आवश्यक है। पशुओं में विभिन्न पोषक तत्व कम होने से दूध उत्पादन घट जाता है। सरकार किसानों के लिए दूध का रेट बढने पर विचार कर रही है। धमतरी में औसत 10000 लीटर दूध का संग्रहण हो रहा है। दस दिन में भुगतान किया जा रहा है, साथ ही समिति में माइक्रो एटीएम लगाने की भी योजना चल रही है। अतिरिक्त उपसंचालक वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारी समितियो ने किसानों के दुग्ध विपणन को आसान और लाभकारी बनाया है। अमूल जैसी संस्थाओं ने किसानों की स्थिति में अभूतपूर्व सुधार किया है। पारदर्शी व्यवस्था ने गुजरात में सहकारिता को आगे बढ़ाया है।

पशुधन की समृद्धि से ही कृषि में आएगी समृद्धि

संघ के प्राधिकृत अधिकारी साहू ने इस अवसर पर कहा कि, पशुधन की समृद्धि के बिना कृषि की समृद्धि नहीं हो सकती। पशुपालन के साथ नस्ल सुधार भी आवश्यक है। जैविक खेती आज की आवश्यकता है। एक पेड़ मां के नाम, गोपालन, जैविक खेती संस्कारित परिवार आज का मंत्र है। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के पूर्व संचालक परिणीता साहू ने कहा कि सहकारी संस्थाएं किसानों के आर्थिक, सामाजिक, नैतिक उत्थान हेतु कार्य कर रही है। सामूहिक रूप से कार्य करने से सहकारिता में भाईचारे की भावना का विकास होता है। समितिया लोकतंत्र की प्राथमिक पाठशाला होती है। गोपालन के साथ गो सुरक्षा भी बहुत महत्वपूर्ण है। प्रवक्ता डॉ दीक्षित ने केंद्र सरकार के "सहकार से समृद्धि" के अंतर्गत सहकारिता मंत्रालय के बढ़ते कदम के अंतर्गत 54 पहलों पर उनकी प्रगति पर जानकारी दी।

अब गाय, मछली, मुर्गी पालने वाले भी किसान : रंजना साहू

मुख्य अतिथि श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि, कृषि कार्य करने वालो के अतिरिक्त दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन, मुर्गी पालन करने वाले लोग भी किसान हैं। हमें इस प्रशिक्षण के बाद अपने गांव में इसकी जानकारी का विस्तार करना है। धान उत्पादन एवं सिंचाई क्षमता में धमतरी जिला अग्रणी है। हमें उन्नति को अपना लक्ष्य बना लेना है। आज भी दुग्ध का कोई विकल्प नहीं है। जनता की जागरूकता एवं सक्रियता से शासन के कल्याणकारी योजनाएं सफल हो सकती है। उपायुक्त सहकारिता प्रदीप ठाकुर ने कहा कि जिला सहकारी संघ अपने कर्तव्यों का निर्वहन बखूबी निभा रहा है। हमारा विभाग समितियो का पंजीयन, अंकेक्षण, निरीक्षण आदि का कार्य करता है। पशुपालन विभाग का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है, सभी पंचायतो को सहकारिता में लाने का प्रयास किया जा रहा है। जिले में 55 दुग्ध समितियां क्रियाशील है। 12 समितियो का पंजीयन बाकी है।

बड़ी संख्या में पशुपालक रहे मौजूद

जिला स्तरीय इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दुग्ध समितियो के सदस्य, पदाधिकारी व पशुपालक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दुग्ध शीत केंद्र के प्रभारी मुकेश देवांगन का सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में मंचासीन अतिथियों को श्रीफल व शाल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम समापन पश्चात दुग्ध शीत केंद्र परिसर में एक पेड़ मां के नाम का पौधा रोपण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन संघ प्रबंधक ए पी गुप्ता ने किया।

किसानों और ग्रामीणों की सहायता के लिए सहकारी समितियां सदैव तत्पर : साहू

■ सहकारिता स्थापना दिवस पर धमतरी में बड़ा आयोजन

धमतरी। छोटे-छोटे किसान सहकारिता के माध्यम से कृषि, उद्यानिकी, स्वरोजगार योजना, तार फेंसिंग, पावर थ्रेसर, गोपालन, मोटरसाइकिल, ट्रैक्टर, ट्यूबवेल, हार्वेस्टर ऋण लेकर अपनी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार कर सकते हैं। सहकारिता आपके सहयोग एवं समृद्धि के लिए हमेशा बहुमुखी उपाय लेकर किसानों की एवं ग्रामीणों की सहायता करने के लिए हमेशा तत्पर है। उक्त विचार लोन मेला पर जिला सहकारी संघ के प्राधिकृत अधिकारी सीपी साहू ने सहकारिता स्थापना दिवस के दूसरे दिन 2 जुलाई को पैक्स कुहकुहा में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉक्टर एएन दीक्षित, कुहकुहा के प्राधिकृत अधिकारी थानेश्वर साहू, भाजपा मंडल महामंत्री कुरूद हरि नारायण साहू, उप सरपंच ग्राम कुहकुहा राजू साहू, जिला सहकारी संघ के प्राधिकृत अधिकारी सीपी साहू, जिला सहकारी संघ के पूर्व अध्यक्ष टेमन लाल साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थानेश्वर साहू ने कहा की सहकारी समितियो के द्वारा कृषको को दिए जाने वाले ऋण की जानकारी देना ही आज के कार्यक्रम का उद्देश्य है। टेमनलाल साहू ने सहकारिता का महत्व, सिद्धांत और सहकारी आंदोलन और उसके विकास पर प्रकाश डाला। हरिनारायण साहू ने कहा कि, सरकार कृषकों के लाभ के लिए नई-नई योजनाएं ला रही है, इसका हमें लाभ उठाना चाहिए। मुख्य वक्ता डॉक्टर दीक्षित ने कहा कि हमें कृषि कार्य का विविधीकरण करना होगा। केवल धान की खेती से समृद्धि नहीं आ सकती है। हमें दलहन, तिलहन की ओर झुकना होगा। गांव के बड़े किसानों को इस पहल के लिए सामने आना चाहिए तभी दूसरे कृषक भी सामने आएंगे। इसी प्रकार समिति को अन्न भंडारण योजना का लाभ लेने के लिए खाद्यान्न भंडारण गोदाम अवश्य निर्मित करना चाहिए।

पैक्स परिसर में लगाए गए 20 पौधे

कार्यक्रम में अतिथियों सहित उपस्थित कृषकों द्वारा सामूहिक वृक्षारोपण अभियान के तहत पैक्स परिसर में 20 पौधो का रोपण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सहकारी क्षेत्र से जुड़े सदस्य व कृषक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संघ प्रबंधक आनंद प्रकाश गुप्ता एवं आभार प्रदर्शन पैक्स कुहकुहा के हरिराम यादव ने किया।

जीवन में सफलता के लिए शिक्षा है मजबूत आधार: मुख्यमंत्री साय

- **छत्तीसगढ़ ने शिक्षा के क्षेत्र में हासिल किया नया मुकाम: नई शिक्षा नीति से बदली तस्वीर, छत्तीसगढ़ में स्थानीय भाषाओं में मिल रही शिक्षा**
- **मुख्यमंत्री ने पीएसवाय उत्कृष्टता सम्मान समारोह में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित पीएसवाय उत्कृष्टता सम्मान समारोह में विभिन्न विधाओं के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सभी सम्मानित शिक्षकों, विद्यार्थियों और संस्थाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र सेवा का मार्ग है। शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है, और यही किसी भी राष्ट्र की प्रगति की नींव होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता का मूल आधार शिक्षा ही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है और बीते वर्षों में राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। जहां पहले प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, आज वहां 15 से अधिक मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। साथ ही, आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थान भी राज्य में कार्यरत हैं। गांव-गांव में स्कूल खोले गए हैं, और बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप महाविद्यालयों की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि हमारे समय में कई गांवों के बच्चों के लिए केवल एक स्कूल होता था। मुझे याद है कि मैंने पांचवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा दूसरे गांव में दी थी, क्योंकि हमारे गांव में परीक्षा केंद्र नहीं था। आज छत्तीसगढ़ में छात्रों के लिए असीम अवसर मौजूद हैं और प्रत्येक बच्चे को इन अवसरों का लाभ उठाकर अपने लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में निरंतर अग्रसर है, और इसी संकल्प को लेकर हम विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में भी तेज़ गति से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश ने वैश्विक स्तर पर सम्मान प्राप्त किया है और भारत पुनः विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है। श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति को ज़मीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में देश में लागू की गई नई शिक्षा नीति के तहत छत्तीसगढ़ में शिक्षा अब स्थानीय भाषाओं में भी उपलब्ध हो रही है। बस्तर जैसे क्षेत्रों में अब स्थानीय भाषाओं में पढ़ाई करवाई जा रही है, और प्रदेश में मेडिकल की शिक्षा भी हिंदी में दी जा रही है। रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने संस्था द्वारा सम्मानित प्रतिभावान छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में इन बच्चों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने में हमारे युवाओं का योगदान निर्णायक सिद्ध होगा। विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य न केवल प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित करना है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही प्रतिभाओं को भी एक मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को विभिन्न भाषाओं में पारंगत बनाने की दिशा में ठोस कार्य प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों की भी सराहना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को भी सम्मानित किया। इस दौरान वरिष्ठ चित्रकार श्री राज सैनी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को एक विशेष उपहार के रूप में उनके प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ की पेंटिंग भेंट की। कार्यक्रम में पीएसवाय के प्रेसिडेंट डॉ. एस.के. मिश्रा, सलाहकार श्री महेंद्र गुप्ता, सीईओ श्रीमती शुभ्रा शुक्ला, सहित अनेक प्रबुद्धजन, शिक्षाविद्, गणमान्य अतिथि, एवं स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

लामनी की महिलाओं ने जाना सहकारिता

लामनी। अंतराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर जगदलपुर विकासखंड अंतर्गत लामनी ग्राम के सामुदायिक भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर एवं बस्तर जिला सहकारी संघ जगदलपुर के संयुक्त तत्वाधान में ग्रामीण महिलाओं को सहकार से समृद्धि हेतु सहकारी समितियों के गठन एवं पंजीयन व्यवस्था पर विस्तार से ज्ञान दिया गया। राज्य सहकारी संघ के वरिष्ठ प्रशिक्षक श्री विवेक पांडे द्वारा देश में महिलायें सहकारी समितियों के गठन कर कैसे समृद्ध हो रही उक्त विषय पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। सहकारिता को सक्षम कर महिलाओं द्वारा सिलाई, बुनाई, कढ़ाई के साथ-साथ लघु एवं कुटीर उद्योग धंधा हेतु सहकारी समिति गठन हेतु रुचि व्यक्त की गई, प्रशिक्षण वर्ग में वृक्षारोपण के पर्यावरण एवं हमारे जीवन पर महत्व को रेखांकित करते हुए प्रत्येक महिलाओं को वृक्षारोपण हेतु भी प्रेरित कर वृक्षारोपण किया गया, अंतर्राष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 के कार्यक्रम को सफल बनाने में आंगनबाड़ी केंद्र लामनी की कार्यकर्ता मीना पटेल के साथ-साथ संघ के रोमांचल पाणिग्राही का सहयोग रहा।

डोंगरी पारा में सहकारी संगोष्ठी का आयोजन

बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ रायपुर के तत्वावधान में बस्तर संभाग के डोंगरी पारा के ग्रामीण अंचल में सहकारी संगोष्ठी का आयोजन सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झा द्वारा 5 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में आधुनिक युग में सहकारिता का महत्व सहकारिता से कैसे समृद्धि लाया जा सके बेरोजगारों को सहकारिता के माध्यम से रोजगार उपलब्ध करने के विषय में चर्चा की गई।

'एक पेड़ माँ के नाम' : खम्हरिया सहकारी समिति में राजस्व मंत्री ने रोपे पौधे

बलौदाबाजार। सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार 1 से 6 जुलाई तक चल रहे सहकारिता मंत्रालय स्थापना दिवस तथा अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता के अवसर पर 5 जुलाई को जिले में आयोजित सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत शनिवार को सहकारी समिति खम्हरिया में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा भी उपस्थित हुए और उन्होने पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण और मातृत्व सम्मान का संदेश दिया। कार्यक्रम में कलेक्टर दीपक सोनी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे और सभी ने अपने-अपने नाम से पौधरोपण कर अभियान में सहभागिता निभाई। सहकारिता सप्ताह के प्रथम चरण में जिले की 56 सहकारी समितियों के परिसरों में छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ समाज में वृक्षों के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता को बढ़ाना है। "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान ने ग्राम्य स्तर पर जनसहभागिता और पर्यावरण चेतना का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया है।

समय पर मिला खाद-बीज, अब हर फसल से जुड़ी है उम्मीद और उत्साह

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार किसानों को समय पर और पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। शासन की प्राथमिकता है कि प्रदेश समेत जिले के किसी भी किसान को कृषि में समस्या महसूस न हो। इस समय खरीफ सीजन की बुआई का कार्य अपने चरम पर है। झमाझम बारिश के बीच खेतों में रौनक लौट आई है और किसानों में उत्साह का माहौल है।

कोरबा जिले की सभी सहकारी समितियों में खाद एवं बीज का भरपूर भंडारण किया गया है और वितरण की प्रक्रिया निरंतर पारदर्शी और सुगम ढंग से जारी है।

स्वामी छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर द्वारा प्रकाशक एवं मुद्रक छग राज्य सहकारी संघ रायपुर द्वारा मयंक ऑफसेट रायपुर से मुद्रित कराकर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित 16, पार्क स्ट्रीट-3, चौबे कालोनी रायपुर से प्रकाशित।
संपादक मंडल- विवेकानंद झा (प्रधान संपादक), विवेक पांडे (संपादक), फोन- 0771-4061702, 4031702, 4035702. वेबसाईट www.cgcoop.in E-mail: cgcoopnews@gmail.com